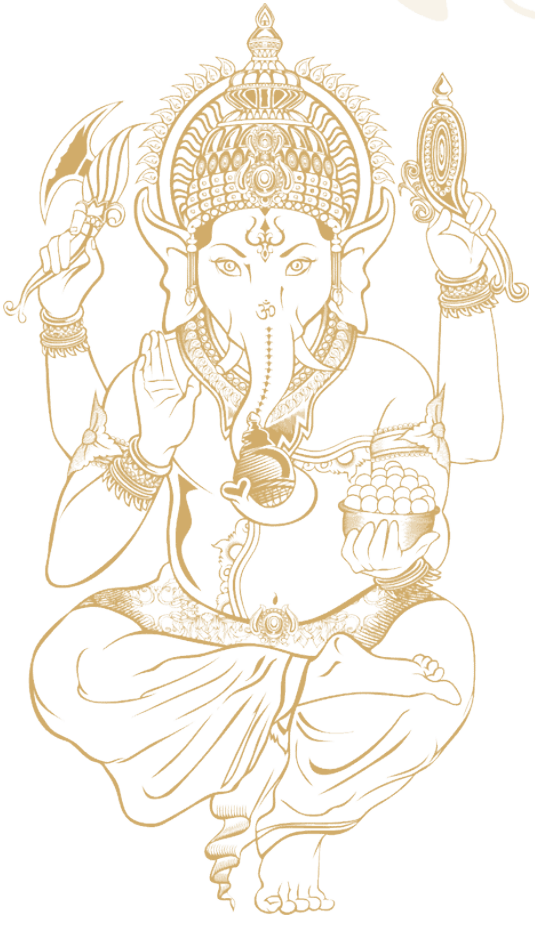

JISHAN SINGH MASSON

14 May 2022

08:42 AM

Jalandhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120607202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/05/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:42:00 घंटे**
इष्ट	07:52:50 घटी
स्थान	**Jalandhar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	75:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:14:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	23:41:40 घंटे
सूर्योदय	05:32:52 घंटे
सूर्यास्त	19:15:43 घंटे
दिनमान	13:42:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:09:53 मेष
लग्न के अंश	15:26:18 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:26:18	317:02:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	29:09:53	00:57:53	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	उच्च राशि
चंद्र			तुला	01:28:14	14:10:11	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	27:43:23	00:45:03	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	वृष	10:09:59	00:16:49	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मीन	06:26:34	00:11:24	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मीन	18:59:06	01:09:18	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	00:42:01	00:02:07	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	28:21:42	00:00:09	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:21:42	00:00:09	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			मेष	21:08:19	00:03:26	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			मीन	00:44:08	00:01:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	04:23:06	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मीन	00:50:20	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:55

लग्न-चलित

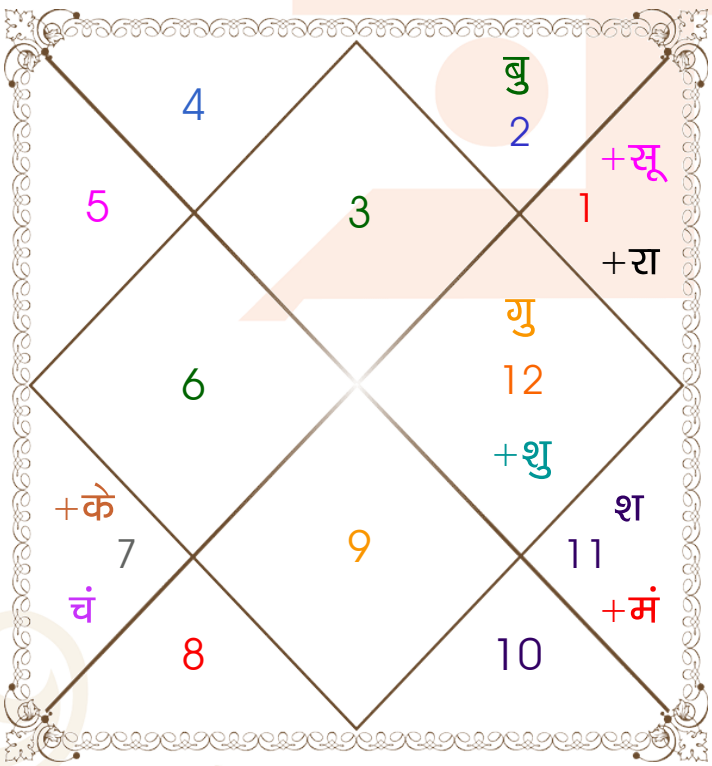

चन्द्र कुंडली

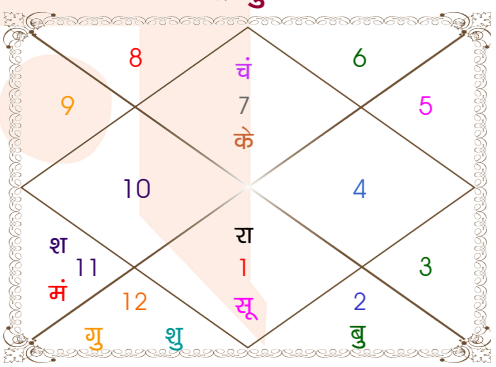

नवमांश कुंडली

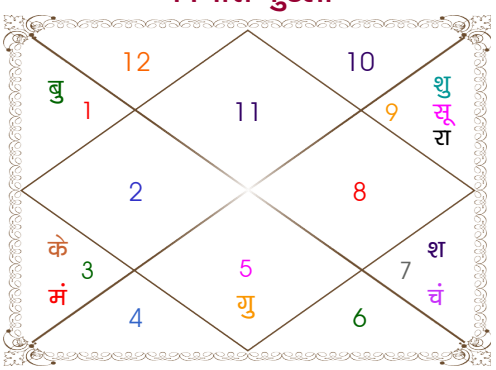

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 8 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/05/2022		03/02/2025		04/02/2043		04/02/2059		03/02/2078	
03/02/2025		04/02/2043		04/02/2059		03/02/2078		04/02/2095	
	00/00/0000	राहु	17/10/2027	गुरु	24/03/2045	शनि	07/02/2062	बुध	02/07/2080
	00/00/0000	गुरु	12/03/2030	शनि	05/10/2047	बुध	17/10/2064	केतु	29/06/2081
	00/00/0000	शनि	16/01/2033	बुध	10/01/2050	केतु	25/11/2065	शुक्र	29/04/2084
	14/05/2022	बुध	05/08/2035	केतु	17/12/2050	शुक्र	25/01/2069	सूर्य	06/03/2085
बुध	02/08/2022	केतु	23/08/2036	शुक्र	17/08/2053	सूर्य	07/01/2070	चंद्र	05/08/2086
केतु	29/12/2022	शुक्र	24/08/2039	सूर्य	05/06/2054	चंद्र	08/08/2071	मंगल	02/08/2087
शुक्र	28/02/2024	सूर्य	17/07/2040	चंद्र	05/10/2055	मंगल	16/09/2072	राहु	19/02/2090
सूर्य	05/07/2024	चंद्र	16/01/2042	मंगल	10/09/2056	राहु	24/07/2075	गुरु	27/05/2092
चंद्र	03/02/2025	मंगल	04/02/2043	राहु	04/02/2059	गुरु	03/02/2078	शनि	04/02/2095

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/02/2095		04/02/2102		04/02/2122		05/02/2128		04/02/2138	
04/02/2102		04/02/2122		05/02/2128		04/02/2138		00/00/0000	
केतु	03/07/2095	शुक्र	06/06/2105	सूर्य	25/05/2122	चंद्र	05/12/2128	मंगल	04/07/2138
शुक्र	01/09/2096	सूर्य	06/06/2106	चंद्र	24/11/2122	मंगल	06/07/2129	राहु	22/07/2139
सूर्य	07/01/2097	चंद्र	05/02/2108	मंगल	01/04/2123	राहु	05/01/2131	गुरु	27/06/2140
चंद्र	08/08/2097	मंगल	06/04/2109	राहु	23/02/2124	गुरु	06/05/2132	शनि	06/08/2141
मंगल	04/01/2098	राहु	06/04/2112	गुरु	11/12/2124	शनि	06/12/2133	बुध	15/05/2142
राहु	23/01/2099	गुरु	06/12/2114	शनि	23/11/2125	बुध	07/05/2135		00/00/0000
गुरु	29/12/2099	शनि	04/02/2118	बुध	30/09/2126	केतु	06/12/2135		00/00/0000
शनि	07/02/2101	बुध	05/12/2120	केतु	05/02/2127	शुक्र	06/08/2137		00/00/0000
बुध	04/02/2102	केतु	04/02/2122	शुक्र	05/02/2128	सूर्य	04/02/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।